

中國抗日戰爭史料叢刊

260

主編
虞和平

軍事・共產黨軍隊

八路軍學兵隊

八路軍與蔣家軍

保衛華北的遊擊戰

成爲時局中心的新四軍

敵後六年

東北抗日聯軍對日作戰之經驗

淞滬抗日作戰之經驗



大象出版社

中國抗日戰爭史料叢刊

260

軍事
共產黨軍隊


大象出版社

虞和平 主編

八路軍學兵隊

八路軍與蔣家軍

保衛華北的遊擊戰

成爲時局中心的新四軍

敵後六年

東北抗日聯軍對日作戰之經驗

淞滬抗日作戰之經驗

八路軍学兵隊

刊叢活生地



著 寒 克 陳

戰地生活叢刊

第八種

八路軍學兵隊

陳克寒著

戰地生活叢刊

八路軍學兵隊

本書作者不許翻印

中華民國廿七年六月廿七日漢初版

發行額：二〇〇〇冊

著	發	發
人	行	行
陳克寒	張靜廬	所
		上海雜誌公司

總店：漢口交通路六十二號

支	店
廣州	梧州
宜昌	重慶
成都	
分	店
西安	武昌
漢中	蘭州
長沙	桂林
昆明	洛陽
許昌	

每冊實價二角

乙 項：第 111 號
出版物：第 0209 號

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108	109	110	111	112	113	114	115	116	117	118	119	120	121	122	123	124	125	126	127	128	129	130	131	132	133	134	135	136	137	138	139	140	141	142	143	144	145	146	147	148	149	150	151	152	153	154	155	156	157	158	159	160	161	162	163	164	165	166	167	168	169	170	171	172	173	174	175	176	177	178	179	180	181	182	183	184	185	186	187	188	189	190	191	192	193	194	195	196	197	198	199	200	201	202	203	204	205	206	207	208	209	210	211	212	213	214	215	216	217	218	219	220	221	222	223	224	225	226	227	228	229	230	231	232	233	234	235	236	237	238	239	240	241	242	243	244	245	246	247	248	249	250	251	252	253	254	255	256	257	258	259	260	261	262	263	264	265	266	267	268	269	270	271	272	273	274	275	276	277	278	279	280	281	282	283	284	285	286	287	288	289	290	291	292	293	294	295	296	297	298	299	300	301	302	303	304	305	306	307	308	309	310	311	312	313	314	315	316	317	318	319	320	321	322	323	324	325	326	327	328	329	330	331	332	333	334	335	336	337	338	339	340	341	342	343	344	345	346	347	348	349	350	351	352	353	354	355	356	357	358	359	360	361	362	363	364	365	366	367	368	369	370	371	372	373	374	375	376	377	378	379	380	381	382	383	384	385	386	387	388	389	390	391	392	393	394	395	396	397	398	399	400	401	402	403	404	405	406	407	408	409	410	411	412	413	414	415	416	417	418	419	420	421	422	423	424	425	426	427	428	429	430	431	432	433	434	435	436	437	438	439	440	441	442	443	444	445	446	447	448	449	450	451	452	453	454	455	456	457	458	459	460	461	462	463	464	465	466	467	468	469	470	471	472	473	474	475	476	477	478	479	480	481	482	483	484	485	486	487	488	489	490	491	492	493	494	495	496	497	498	499	500	501	502	503	504	505	506	507	508	509	510	511	512	513	514	515	516	517	518	519	520	521	522	523	524	525	526	527	528	529	530	531	532	533	534	535	536	537	538	539	540	541	542	543	544	545	546	547	548	549	550	551	552	553	554	555	556	557	558	559	560	561	562	563	564	565	566	567	568	569	570	571	572	573	574	575	576	577	578	579	580	581	582	583	584	585	586	587	588	589	590	591	592	593	594	595	596	597	598	599	600	601	602	603	604	605	606	607	608	609	610	611	612	613	614	615	616	617	618	619	620	621	622	623	624	625	626	627	628	629	630	631	632	633	634	635	636	637	638	639	640	641	642	643	644	645	646	647	648	649	650	651	652	653	654	655	656	657	658	659	660	661	662	663	664	665	666	667	668	669	670	671	672	673	674	675	676	677	678	679	680	681	682	683	684	685	686	687	688	689	690	691	692	693	694	695	696	697	698	699	700	701	702	703	704	705	706	707	708	709	710	711	712	713	714	715	716	717	718	719	720	721	722	723	724	725	726	727	728	729	730	731	732	733	734	735	736	737	738	739	740	741	742	743	744	745	746	747	748	749	750	751	752	753	754	755	756	757	758	759	760	761	762	763	764	765	766	767	768	769	770	771	772	773	774	775	776	777	778	779	780	781	782	783	784	785	786	787	788	789	790	791	792	793	794	795	796	797	798	799	800	801	802	803	804	805	806	807	808	809	810	811	812	813	814	815	816	817	818	819	820	821	822	823	824	825	826	827	828	829	830	831	832	833	834	835	836	837	838	839	840	841	842	843	844	845	846	847	848	849	850	851	852	853	854	855	856	857	858	859	860	861	862	863	864	865	866	867	868	869	870	871	872	873	874	875	876	877	878	879	880	881	882	883	884	885	886	887	888	889	890	891	892	893	894	895	896	897	898	899	900	901	902	903	904	905	906	907	908	909	910	911	912	913	914	915	916	917	918	919	920	921	922	923	924	925	926	927	928	929	930	931	932	933	934	935	936	937	938	939	940	941	942	943	944	945	946	947	948	949	950	951	952	953	954	955	956	957	958	959	960	961	962	963	964	965	966	967	968	969	970	971	972	973	974	975	976	977	978	979	980	981	982	983	984	985	986	987	988	989	990	991	992	993	994	995	996	997	998	999	1000	1001	1002	1003	1004	1005	1006	1007	1008	1009	1010	1011	1012	1013	1014	1015	1016	1017	1018	1019	1020	1021	1022	1023	1024	1025	1026	1027	1028	1029	1030	1031	1032	1033	1034	1035	1036	1037	1038	1039	1040	1041	1042	1043	1044	1045	1046	1047	1048	1049	1050	1051	1052	1053	1054	1055	1056	1057	1058	1059	1060	1061	1062	1063	1064	1065	1066	1067	1068	1069	1070	1071	1072	1073	1074	1075	1076	1077	1078	1079	1080	1081	1082	1083	1084	1085	1086	1087	1088	1089	1090	1091	1092	1093	1094	1095	1096	1097	1098	1099	1100	1101	1102	1103	1104	1105	1106	1107	1108	1109	1110	1111	1112	1113	1114	1115	1116	1117	1118	1119	1120	1121	1122	1123	1124	1125	1126	1127	1128	1129	1130	1131	1132	1133	1134	1135	1136	1137	1138	1139	1140	1141	1142	1143	1144	1145	1146	1147	1148	1149	1150	1151	1152	1153	1154	1155	1156	1157	1158	1159	1160	1161	1162	1163	1164	1165	1166	1167	1168	1169	1170	1171	1172	1173	1174	1175	1176	1177	1178	1179	1180	1181	1182	1183	1184	1185	1186	1187	1188	1189	1190	1191	1192	1193	1194	1195	1196	1197	1198	1199	1200	1201	1202	1203	1204	1205	1206	1207	1208	1209	1210	1211	1212	1213	1214	1215	1216	1217	1218	1219	1220	1221	1222	1223	1224	1225	1226	1227	1228	1229	1230	1231	1232	1233	1234	1235	1236	1237	1238	1239	1240	1241	1242	1243	1244	1245	1246	1247	1248	1249	1250	1251	1252	1253	1254	1255	1256	1257	1258	1259	1260	1261	1262	1263	1264	1265	1266	1267	1268	1269	1270	1271	1272	1273	1274	1275	1276	1277	1278	1279	1280	1281	1282	1283	1284	1285	1286	1287	1288	1289	1290	1291	1292	1293	1294	1295	1296	1297	1298	1299	1300	1301	1302	1303	1304	1305	1306	1307	1308	1309	1310	1311	1312	1313	1314	1315	1316	1317	1318	1319	1320	1321	1322	1323	1324	1325	1326	1327	1328	1329	1330	1331	1332	1333	1334	1335	1336	1337	1338	1339	1340	1341	1342	1343	1344	1345	1346	1347	1348	1349	1350	1351	1352	1353	1354	1355	1356	1357	1358	1359	1360	1361	1362	1363	1364	1365	1366	1367	1368	1369	1370	1371	1372	1373	1374	1375	1376	1377	1378	1379	1380	1381	1382	1383	1384	1385	1386	1387	1388	1389	1390	1391	1392	1393	1394	1395	1396	1397	1398	1399	1400	1401	1402	1403	1404	1405	1406	1407	1408	1409	1410	1411	1412	1413	1414	1415	1416	1417	1418	1419	1420	1421	1422	1423	1424	1425	1426	1427	1428	1429	1430	1431	1432	1433	1434	1435	1436	1437	1438	1439	1440	1441	1442	1443	1444	1445	1446	1447	1448	1449	1450	1451	1452	1453	1454	1455	1456	1457	1458	1459	1460	1461	1462	1463	1464	1465	1466	1467	1468	1469	1470	1471	1472	1473	1474	1475	1476	1477	1478	1479	1480	1481	1482	1483	1484	1485	1486	1487	1488	1489	1490	1491	1492	1493	1494	1495	1
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	---

戰地生活
叢刊之七
八路軍學兵隊

目次：

一	戰爭把青年驅逐到劉村	一
二	組織・教育・生活	四
三	救亡室與劉村老百姓	九
四	便衣隊到了劉村	一三
五	過新年	一七
六	歡送四十壯士到前線	二一
七	雪山夜戰	二六
八	突擊啊	三〇

九 三日行軍……………三四

一・出發……………三四

二・路上……………三七

三・大休息……………四一

四・在杜府……………四三

五・朱總司令……………四五

六・訓話……………四八

七・第二天——參觀聯歡……………五一

八・歸途（第三天）……………五三

九・防空……………五四

十・遭遇戰……………五六

十一・到了家……………五七

十二・結語……………五九

一〇 畢業了……………六〇

一一 打游擊……………六三

八路軍學兵隊

一 戰爭把青年驅逐到劉村

去年九月十月華北戰事曾有一度暫時穩定的局面，這就是敵我雙方在忻口的對峙。今天你佔領我一個高地，明天我奪得你一個山頭。雖然敵人的飛機天天來轟炸，敵人的大砲排齊了向我密射，我們的工事經常被摧毀殆盡，我們的部隊一天天耗損下去，但是陣地始終沒有變更，給予敵人在進入雁門關後意想不到的阻礙。可是到了十月下旬情勢便突然變化，感到「此路不通」的敵軍，在平漢線佔領石家莊後，乘隙由我右脅下——娘子關擠入，於是沿正太線而陽泉，壽陽，太原自然然而顛慄，忻口正面的我軍不得不自動撤退下來。原來想作為華北的瑪德里底太原，也於十一月六日以失陷聞。

當時的景象的確是相當淒慘的，同蒲線的公路和鐵道上盡是潰兵與難民，一羣羣的

男女老幼排列成一條長蛇，大車，洋車上裝載着行李，潰兵們三三四四，每個人幾乎都攔着一支槍——長槍，手提機關，甚至機關槍。火車每個車頭掛上幾十輛，車頂上都擠得水洩不通，黑壓壓地坐着，動都不能動彈。敵人在後面追，太谷，祁縣，平遙，介休，長驅南下，好像一直要逼到風陵渡。但是大部分的逃難者卻都在臨汾停留下來，找他們的歸集地所。這中間就有不少青年，在上述地區做救亡工作的青年，犧盟會的，動員委員會的，動流工作團的，成批地被作為流亡者。

「到那兒去呢？」這是當時彷徨於臨汾的青年的共通的問題。

八路軍有兵站在臨汾東關，八路軍的駐晉辦事處也剛由太原遷下來，他們中不少的人就去找到兵站和辦事處，要求加入八路軍，他們說他們是不甘當亡國奴的，他們決不願跟着逃難，逃過黃河去。辦事處接受了這個請求，在臨汾的西北角，離城十五里，過汾河不遠的地方找到了一個小村——劉村，把他們移植過去，而在那里樹起了「學兵隊」的大旗。

八路軍招募學兵啓事

本路軍決招募學兵，凡有志抗日救國抱有犧牲決心之青年，年在十八歲以上，三十五歲以下，高小以上程度者，不論黨派信仰，勿論階級出身，不分男女性別，均可報名參加。

報名處 臨汾劉村鎮

很快地在劉村鎮附近，在臨汾的城門頭，在大街上，車站上發現這樣的佈告。於是「到劉村去」便成爲流亡在臨汾的青年底普遍的，甚至一致的口號，汾河上的浮橋忙碌了起來，通劉村的大車道上絡繹不斷的是自己揹着鋪蓋，提着皮包的男女青年。十個，二十個，不斷的增加，起初是山西本省的青年，後來陝西，鄭州，開封，徐州，漢口，都源源不絕的有人去了，這中間有國民黨員，共產黨員，也有新國民黨，青年黨份子，他們有各種不同信仰，但是他們大都是從東西戰場上流亡出來的，他們的家被毀了，他們的父母兄妹離散了，他們有着一

個共同目標，「抗日救國，打回老家。」

學兵隊便這樣在西戰場上，在戰事最緊急關頭成立起來。學兵隊是青年自己的隊伍，學兵隊是統一戰線的大本營！

二 組織·教育·生活

不上十幾天功夫，聚集到劉村的便有五百多青年，成立了一個大隊，大隊下面編做五個區隊，每個區隊等於一個連隊的樣子。男子總共編四個隊，女的八十幾人獨立成爲一隊，大家叫他做女區隊。區隊以下又按三三制編制，下分分隊，分隊下爲班。大隊設大隊長，大隊附，并有政治幹事一人負責政治工作，區隊設區隊長，原擬設政治指導員，因時間匆忙未成。女區隊長是一個經過二萬五千里老紅軍，她是紅軍女子中赫赫有名的一個，個性

強悍，善作鼓動演說，簡直不能從她身上看到一絲一毫的女兒氣。她後來走了，代替她的是久作北平學生運動的新女性。

開學的一天，大家都脫去了旗袍長褂，一律換上了灰布軍服，頓時個個都像丘八，女孩子們驕傲地說，我再也不脫去這軍服了，我要成爲游擊隊員。

學兵隊的教育時間分長期短期兩種，長期受訓期兩個月，短期三個星期。長期實行五分軍事，五分政治，課目軍事方面有游擊戰術，射擊學，夜間教育，戰鬥概則等；此外一半時間化在野外演習上。政治方面則有三民主義，政治常識，中國革命基本問題，抗日民族統一戰線，政治工作等，目的是在於造成一批真正克苦耐勞的游擊幹部隊。短期較偏重於政治，課目有政治工作，形勢任務政策，羣衆工作等，此外也教一些游擊戰術。以體質較差，不宜於部隊工作的歸入，目的是在極短時期中造成一部份羣衆工作的幹部。就短期訓練的，人數約佔全學兵隊五分之一，在男子中專門成立一個區隊。

課堂里的講課是採取講演式的，每天上五個鐘點的課，完全要由同學做筆記。講課的

盡是些大兵，以致有一位女同學在她的日記裏發問說：「離開著名的教授的課不聽，來聽大兵們的演講，爲的是什麼？」

講起課堂，課堂在那兒呢？課堂就設在老百姓的院子里，同學們買了些黑粉把黃跡斑剝的牆給他抹上一大塊黑的，就做成了黑板，另外又去向老百姓借了些磚塊，木板，長條長的架設起來，便有了坐頭。有時要五個區隊集合在一個廣場上聽課或者聽什麼人的政治報告，同學們便各人揩起一個小包袱跑去，這個小包袱放在地下坐起來又軟又暖，到比沙發都舒適，這是在實際經驗中想出的方法。

從白天到夜晚，同學們沒有一絲空閒時間的，一早上起來，十五分鐘內洗臉漱口，整理床鋪，便要去出操爬山。原來劉村就在呂梁山的山脚下，過了這山，那里便是黃河，便是陝北，爬山是游擊隊的基本動作之一，同志們對此特別感到興趣，從山脚到山頂上下十幾里路，往往不要一個鐘點。「女同志們，恐怕不行吧！」這就想錯了，她們特別好勝，老是搶在男同志們的前面。

爬山回來才吃早飯，接着就是上課，上午三個鐘點，下午兩個鐘點。黃昏是一天的遊戲時間，那末我們便可看到一堆堆的青年在田塍上，在土墩上，集體的唱着救亡歌曲，或者在空坪上打籃球，排球。一切都是集體的，簡直很少見到獨個兒在想什麼作什麼。

唱歌都有一股時風的，在剛開始成立的時候，大家或許因為剛離開家鄉吧，有些憂鬱的氣息，松花江就成爲他們吐露哀怨的代表，在十一月的寒風里，我們常可看到同志們青着臉低低地悲鳴——那年那月才能夠回到我那可愛的故鄉。可是在就了一個時期的訓練以後，松花江便比較少唱，代替她的是武裝保衛山西，到最後——快畢業的時候，風氣又轉向了，這時可聽的是衆聲一致的——我們是無敵的游擊隊，無敵的游擊隊……我們黃昏出沒在山林……敵人來到了我們化整爲另齊隱避，敵人宿營了，我們化另爲整再襲擊。這也說明了他們的志願。

晚上是小組討論會，每班有一個學習組長擔任召開，主席是輪流擔任的，題目預先規定，他們最感興趣的是討論與現實有關的問題，像抗戰勝利後國共是否還能合作，抗戰勝

利後革命將怎樣發展。本來規定是十點鐘息燈睡覺的，遇到這樣的問題每每會幾個晚上討論到深夜三四時都不會停止。很有不少同志對國共長期合作發生懷疑，但論爭結果總還是證明可以長期合作的，而且必需長期合作。

我們知道在陝北受訓的，現在住的都是窯洞，學兵隊的居住問題同樣是一個難題，大家都安插在民房里，一家住着一班十個，或五個同學。住得很分散，但一過號音，便要在兩分鐘以內把隊伍集合起來。吃，起初是三頓，後來因為糧食困難減吃兩頓，當然祇有一個菜，以致在臨汾城民族革命大學里流傳着這樣的消息：學兵隊里苦得很，每天小米都吃不到，用的水也沒有，平均每星期洗一次臉。的確，學兵隊的生活比延安都苦，完全軍事化，一切自己動手，但是精神是挺痛快的，我們會想出很多方法使生活活潑，一點也不感到苦。

三 救亡室與劉村老百姓

在與開學典禮同時，有的還比開學典禮前，每個區隊都成立了救亡室。這是各區隊的羣衆組織，也是羣衆活動的大本營，凡是連隊中的一切，除了行政方面由隊部負責以外，什麼事便都由救亡室擔任幹，而且幫助行政方面作不少工作。每個救亡室有七個委員，一個是主任委員，兩個負責牆報，其他四個人分別負責文化娛樂，經濟，體育衛生，民運。由他們共同組織一個委員會，整個救亡室工作便交託給他們了，由他們去聘請幹事幫助工作。

負責人都是以民主方法產生出來的，由全體同學自己推舉出十三個候選人，當場表決。有幾個救亡室的主任都是做過多年救亡工作的，比如第四區隊救亡室主任在介紹歷史時便是這樣——九一八後在東北做救亡運動，參加秘密組織，謀暴動起來推翻偽政權，不幸事洩被捕，受盡毒刑，摧致肺病咯血，潛逃到北平，參加了一二九運動，南下宣傳中當分隊長，西安事變時在西安負責民先工作。因為有這樣一段光榮的歷史，同學便自然而然選